CHOITHRAM SCHOOL MANIKBAGH INDORE
CLASS XI Session : 2017-18

SUBJECT: HINDI ASSIGNMENT No: 1
Allotment Date: 07.07.17 Submission Date:12.07.17

S.No.	Questions	Marks	Level
	ाद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए – ऋषि–मुनियों, विद्वानों तथा वरिष्ठजनों का जीवन समाज के लिए समर्पित होता है। वे परोपकारी, सहृदय, विनयशील एवं सत्यवादी होते हैं। उनके वचनों में इतना बल होता है कि उनके कथन के अनुसार कार्य में सफलता मिल जाती है। उनके इस कथन अथवा संकेत मात्र को ही आशीर्वाद कहते हैं। वे अपने ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। ऐसे महापुरुषों द्वारा सिर पर हाथ रखने में सहज ही विश्वास हो जाता है। इससे आशीर्वाद प्राप्त करने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन मिलता है एवं आत्मबल तथा ऊर्जा का संरक्षण होता है। अपनी मंज़िल प्राप्त कर अन्य मंज़िल की योजना तैयार करने की इच्छा शक्ति पैदा होती है। आशीर्वाद देने वाले महापुरुष ही हैं, जो मन, कर्म एवं वचन से सबका भला चाहते हैं। वे किसी से व्यक्तिगत लाभ की आशा नहीं रखते। यही कारण है कि उनका शक्तिशाली मस्तिष्क प्रबल विचार तरंगे पैदा करता रहता है। जिससे व्यक्ति का मनोबल दृढ़ता के साथ बना रहता है। जिनका मन पवित्र विचारों से अभिभूत होगा, वह सर्वत्र प्रकाश ही प्रकाश फैलाएगा, उसकी आशा एवं उत्साह में सतत् वृद्धि होती रहेगी। आशीर्वाद पाकर हमारा अंतरहृदय प्रसन्नता से ओत–प्रोत रहता है। हमारा सुप्त आत्मविश्वास जाग्रत हो जाता है। आशीर्वाद, श्रम–लगन–निष्ठा एवं विनयशीलता के परिणास्वरूप ही प्राप्त होता है। विनाश से बचने के लिए अहंकार से दूर रहना बहुत आवश्यक है। मान–सम्मान, सुख–सम्पन्नता, भौतिक सामग्री की अधिकता एवं किसी व्यक्ति की प्रशंसा अहंकार के कारण हो सकते हैं। प्रत्येक आशीर्वाद एक प्रकार का शुभ आत्म संकेत होता है। जिस प्रकार लोहे का कवच युद्ध में होने वाले आक्रमणों से शरीर की रक्षा करता है, उसी प्रकार आशीर्वाद भी एक गुप्त मानसिक कवच है। आशीर्वाद हमें शक्ति का सही दिशा में उपयोग करना सिखाता है। आशीर्वाद हमारी शक्ति का छिपा केन्द्र है।		
प्र.1	समाज को प्रेरणा किनसे मिलती है और क्यों ?	1	Understanding
प्र.2	अपनी किन विशेषताओं के कारण व्यक्ति महापुरुष कहलाते हैं ?	1	Knowledge
प्र.3	व्यक्ति को अहंकार क्यों हो जाता है और उससे दूर रहना क्यों आवश्यक है ?	1	HOTS
प्र.4	लड़कियाँ हैं, वह घास–फूस की तरह बढ़ती चली जाती हैं। यह वाक्य उस समय के समाज में लड़कियों की किस स्थिति को प्रकट करता है ?	2	Understanding
प्र.5	तत्कालीन स्थितियों को देखते हुए वृद्ध मुंशीजी की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए।	2	HOTS
प्र.6	तर्क देकर लिखिए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है ?	2	Logical
प्र.7	मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है ?	2	Knowledge
प्र.8	कबीर ने नियम और धर्म का पालन करने वाले लोगों की किन कमियों की ओर संकेत किया है ?	3	Understanding
प्र.9	आप कैसे कह सकते हैं कि भक्ति रस में डूबी मीरा रीति–रिवाज और बंधनों से मुक्त हो गई थी ?	3	Multiconceptual
प्र.10	पं. आलोपीदीन के जीवन से आप कौनसी मुख्य प्रेरणा ले सकते हैं ?	3	Value based
प्र.11	मियाँ नसीरुद्दीन की कौनसी विशेषताएँ आपको अच्छी लगीं ? इन में से आप किन गुणों को अपने जीवन में उतारना चाहेंगे ?	5	HOTS
प्र.12	सरकारी विभागों के अफसर यदि मुंशी वंशीधर जैसे हो जाएंगे तो समाज में व लोगों की सोच में क्या अंतर आ जाएंगे ?	5	Value based

CHOITHRAM SCHOOL